पशुपालक मित्र 4(1): 5-8; जनवरी, 2024
ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग : ग्रामीण उन्नति का एक प्रयास

डॉ. साक्षी[1] एवं डॉ. भूपेन्द्र[2]
औषधि विभाग[1], पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन अनुभाग[2]
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज़्ज़तनगर बरेली

बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग घरेलू खपत और आय उत्पादन के लिए मुर्गी , बतख, गीज़ और टर्की जैसे छोटे पैमाने पर पोल्ट्री का उत्पादन है। यह विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्रों में एक आम प्रथा है , जहां यह गरीबी उन्मूलन और पोषण सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।यह ग्रामीण परिवारों के लिए आय का एक मूल्यवान स्रोत प्रदान कर सकते हैं। अंडे और मांस उत्पादन के मानक बैकयार्ड पोल्ट्री से पक्षियों की नस्ल , उनकी देखभाल की गुणवत्ता और पर्यावरण के आधार पर अलग-अलग होते हैं। औसत बैकयार्ड चिकन प्रति वर्ष 180 से 250 अंडे देती है । हालांकि , मुर्गियों की कुछ नस्लें दूसरों की तुलना में अधिक अंडे देती हैं , और अंडे का उत्पादन भी आहार , उम्र और स्वास्थ्य जैसे कारकों से प्रभावित हो सकता है।यह सुनिश्चित करने में मदद करने के लिए कि आपकी बैकयार्ड पोल्ट्री के चूजे अच्छी संख्या में अंडों का उत्पादन करते हैं , उन्हें संतुलित आहार, ताजा पानी और एक स्वच्छ और आरामदायक आवास प्रदान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। आम बीमारियों के खिलाफ चूजों का टीकाकरण भी जरूरी है।पूरी तरह से विकसित होने पर इसका औसत बैकयार्ड चिकन 1.5 से 2.5 किलोग्राम के बीच होगा।

घरेलू उपभोग और आय सृजन के लिए बैकयार्ड पोल्ट्री उत्पादों का उपयोग

अंडों और मांस जैसे बैकयार्ड पॉल्ट्री फार्मिंग के पोल्ट्री उत्पादों का उपयोग घरेलू खपत और आय सृजन के लिए विभिन्न प्रकार से किया जा सकता है। यहां कुछ सटीक और सिद्ध तरीके हैं:

अंडे: अंडे एक बहुमुखी और पौष्टिक भोजन हैं जिन्हें विभिन्न तरीकों से खाया जा सकता है। अंडे का उपयोग बेकिंग और अन्य व्यंजनों में भी किया जा सकता है।

मांस: बैकयार्ड चिकन मीट प्रोटीन का एक स्वस्थ स्रोत है। इसे भुने या तले हुए उपभोग किया जा सकता है। चिकन मीट का इस्तेमाल सूप, स्टीव में भी किया जा सकता है।

अंडे और मांस की बिक्री: बैकयार्ड पोल्ट्री उत्पादों से आय पैदा करने का सबसे सीधा तरीका उन्हें बेचना है। अंडे और मांस पड़ोसियों, दोस्तों या स्थानीय बाजारों में बेचा जा सकता है।

पोल्ट्री उत्पादों का प्रसंस्करण: बैकयार्ड पोल्ट्री उत्पादों से आय उत्पन्न करने का एक और तरीका उन्हें अन्य उत्पादों जैसे कि सूखे मांस , सॉसेज या अंडे में संसाधित करना है। प्रसंस्कृत पोल्ट्री उत्पाद स्थानीय बाजारों या ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं को बेचे जा सकते हैं।

पोल्ट्री बिजनेस शुरू करना: यदि आपके पास बड़ी संख्याह में बैकयार्ड पोल्ट्री है तो आप कुक्कुट बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आप अपने अंडे और मांस को रेस्तरां , होटल या अन्य व्यवसायों में बेच सकते हैं। आप पोल्ट्री चूजों को भी बढ़ा सकते हैं और बेच सकते हैं।

बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग के आर्थिक लाभ

बढ़ी हुई आय: बैकयार्ड पोल्ट्री फार्म घरों , विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में आय का एक मूल्यवान स्रोत प्रदान कर सकते हैं। कुक्कुट से अंडे और मांस पड़ोसियों , दोस्तों या स्थानीय बाजारों में बेचा जा सकता है। बैकयार्ड पॉल्ट्री किसान मुर्गी पालन चूजों को बेचकर या मुर्गी पालन संबंधी सेवाएं प्रदान करके आय भी पैदा कर सकते हैं,

खाद्य व्यय में कमी: बैकयार्ड पॉल्ट्री उत्पाद परिवारों को अपने भोजन के खर्च को कम करने में मदद कर सकते हैं। पिछवाड़े के मुर्गीपालन से प्राप्त अंडे और मांस अक्सर कम महंगे होते हैं।

ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

इसके अतिरिक्त, बैकयार्ड पोल्ट्री किसान अपने स्वयं के पोल्ट्री फीड को बढ़ाकर या अपने पक्षियों के लिए भोजन करके पैसे बचा सकते हैं।

बेहतर पोषण: बैकयार्ड पॉल्ट्री उत्पाद प्रोटीन, विटामिन और खनिजों का एक अच्छा स्रोत हैं। बैकयार्ड पोल्ट्री उत्पादों के नियमित सेवन से परिवारों की पोषण स्थिति में सुधार लाने में मदद मिल सकती है। यह बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है , जिन्हें कुपोषण का खतरा है।

रोजगार सृजन: बैकयार्ड पॉल्ट्री फार्मिंग ग्रामीण समुदायों में रोजगार पैदा कर सकती है। बैकयार्ड पोल्ट्री किसानों को भोजन, पानी और सफाई के काम में उनकी मदद करने के लिए मजदूरों को नौकरी पर रखना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त , बैकयार्ड पोल्ट्री किसानों को अपने पक्षियों के लिए सेवाएं प्रदान करने के लिए पशु चिकित्सक या अन्य पेशेवरों को नियुक्त करने की आवश्यकता हो सकती है।

आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि: बैकयार्ड पोल्ट्री फार्म से ग्रामीण समुदायों में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि हो सकती है। बैकयार्ड पॉल्ट्री किसानों को स्थानीय व्यवसायों से भोजन , बिछावन और आवासजैसी आपूर्ति खरीदने की आवश्यकता हो सकती है। इसके अलावा , बैकयार्ड पोल्ट्री किसान अपने अंडे और मांस को स्थानीय बाजारों या रेस्तरां को बेच सकते हैं।

खाद्य सुरक्षा में सुधार: बैकयार्ड पॉल्ट्री फार्मिंग से खाद्य सुरक्षा में सुधार लाने में मदद मिल सकती है।

जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन में वृद्धि: बैकयार्ड पॉल्ट्री फार्मिंग परिवारों को आय और भोजन का अतिरिक्त स्रोत प्रदान करके जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन बढ़ाने में मदद कर सकती है।

महिलाओं और युवाओं का सशक्तीकरण: बैकयार्ड पॉल्ट्री फार्मिंग महिलाओं और युवाओं को आय पैदा करने और आजीविका में सुधार करने का अवसर प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने में मदद कर सकती है।

सामाजिक एकजुटता: पिछवाड़े की मुर्गी पालन लोगों को साझा लक्ष्यों पर काम करने के लिए एकजुट करके सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।

आत्मविश्वास और आत्मसम्मान में वृद्धि: बैकयार्ड पॉल्ट्री फार्मिंग महिलाओं और युवाओं को आत्मविश्वास और आत्मसम्मान विकसित करने में मदद कर सकती है।

बेहतर निर्णय लेने का कौशल: बैकयार्ड पॉल्ट्री फार्मिंग के लिए महिलाओं और युवाओं को अपने व्यवसाय के बारे में निर्णय लेने की आवश्यकता होती है , जैसे कि अपने पक्षियों को खाना कैसे खिलाएं, अपने उत्पादों का विपणन कैसे करें और अपने वित्त प्रबंधन कैसे करें। इससे उन्हें निर्णय लेने के कौशल में सुधार करने में मदद मिलेगी।

नेतृत्व कौशल में वृद्धि: बैकयार्ड पोल्ट्री किसान अक्सर सहकारी समितियों या अन्य समूहों में एक साथ काम करते हैं। यह उन्हें अपने नेतृत्व कौशल विकसित करने और दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से काम करने के लिए सीखने में मदद कर सकता है।

बेहतर सामाजिक स्थिति: बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग महिलाओं और युवाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार लाने में मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बैकयार्ड पोल्ट्री फार्म को एक मूल्यवान और उत्पादक गतिविधि के रूप में देखा जाता है।

संधार्नीय कृषि में बैकयार्ड पोल्ट्री की भूमिका

बाहरी लागत पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकते हैं: बैकयार्ड पॉल्ट्री बाहरी इनपुट जैसे वाणिज्यिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर किसानों की निर्भरता को कम करने में मदद कर सकते हैं। पोल्ट्री खाद पोषक तत्वों का एक समृद्ध स्रोत है और इसका उपयोग फसलों को निषेचित करने के लिए

ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त , मुर्गीपालन पीड़कों और कीटों को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार: पोल्ट्री खाद जैविक पदार्थ और पोषक तत्वों को जोड़कर मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करती है। इससे पैदावार में सुधार हो सकता है और क्षरण में कमी आ सकती है।

जैव विविधता में वृद्धि: बैकयार्ड पोल्ट्री फार्म पर जैव विविधता को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। मुर्गीपालन अन्य लाभकारी कीटों और पक्षियों को आकर्षित करता है जो पीड़कों और रोगों को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं।

उन्नत खाद्य सुरक्षा: बैकयार्ड पोल्ट्री किसानों को खाद्य और आय का एक विश्वसनीय स्रोत प्रदान कर सकता है। बैकयार्ड पोल्ट्री से अंडे और मांस किसान के परिवार द्वारा खाया जा सकता है या आय उत्पन्न करने के लिए बेचा जा सकता है।

बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग और कृषि

भारत में , किसान मिट्टी के स्वास्थ्य और उर्वरता में सुधार के लिए बैकयार्ड पोल्ट्री का उपयोग कर रहे हैं। कुक्कुट खाद का उपयोग फसलों , जैसे चावल और गेहूं को निषेचित करने के लिए किया जाता है। इससे फसलों की पैदावार बढ़ी है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हुई है।कुक्कुट का उपयोग कीटों और अन्य पीड़कों को खाने के लिए किया जाता है जो फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे किसानों को कीटनाशकों और जड़ी-बूटियों का उपयोग कम करने में मदद मिली है।इससे किसानों को अपनी फसलों और इकोसिस्टम के समग्र स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिली है।

बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन

बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए एक मूल्यवान उपकरण हो सकता है। जलवायु परिवर्तन से कृषि पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है , जिसमें फसलों की पैदावार में कमी , पीड़कों और बीमारियों में वृद्धि और अधिक मौसम की घटनाएं शामिल हैं। बैकयार्ड पोल्ट्री किसानों को कई तरह से इन चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकता है।

सूखा और अन्यय अत्यरधिक मौसम की घटनाओं के प्रति लचीलापन में वृद्धि: बैकयार्ड पॉल्ट्री अपेक्षाकृत सूखा सहिष्णु हैं और विभिन्नन पर्यावरण स्थितियों में जीवित रह सकते हैं। इससे उन क्षेत्रों में किसानों के लिए मूल्यवान संपत्ति बन जाती है, जहां सूखा या अन्य चरम मौसम की घटनाएं होती हैं।

जीवाश्मन ईंधन पर निर्भरता में कमी: जीवाश्म ईंधन के उपयोग के बिना बैकयार्ड पॉल्ट्री को उठाया जा सकता है। इससे किसानों को जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और उनके ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद मिल सकती है।

कार्बन फुटप्रिंट को कम करना: बैकयार्ड पॉल्ट्री फार्मिंग खाद्य प्रणाली के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद कर सकती है। अन्य पशुधन , जैसे गाय और सूअरों की तुलना में मुर्गीपालन अपेक्षाकृत कम ग्रीन हाउस गैसों को बढ़ाने और उत्पादन करने में अपेक्षाकृत ऊर्जा-कुशल है।

बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग और ग्रामीण पर्यटन

बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग और ग्रामीण पर्यटन को विभिन्न तरीकों से भारतीय संदर्भ में एकीकृत किया जा सकता है। पेश हैं कुछ उदाहरण:

शैक्षिक अनुभव: बैकयार्ड पोल्ट्री किसान पर्यटकों को शैक्षिक अनुभव प्रदान कर सकते हैं , जैसे कि उनके खेतों का दौरा , मुर्गी पालन पर कार्यशालाओं और कुक्कुट उत्पादों की विशेषता वाले कुकिंग कक्षाओं। इससे पर्यटकों को भारत में ग्रामीण जीवन और सतत कृषि के बारे में अधिक जानने में मदद मिल सकती है और यह बैकयार्ड पोल्ट्री किसानों के लिए आय का स्रोत भी प्रदान कर सकता

ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

है। उदाहरण के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने बैकयार्ड पोल्ट्री किसानों के लिए कई शैक्षणिक कार्यक्रम विकसित किए हैं। इन कार्यक्रमों में मुर्गी पालन पोषण , स्वास्थ्य प्रबंधन और विपणन जैसे विषयों को शामिल किया गया है। आईसीएआर ग्रामीण पर्यटन ऑपरेटरों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है कि किस प्रकार बैकयार्ड पोल्ट्री फार्म को उनके पर्यटन में एकीकृत किया जाए।

अग्रत्ववाद के अनुभव: बैकयार्ड पॉल्ट्री किसान पर्यटकों को कृषि पर निर्भर रहने , शिविर लगाने और पिकनिक मनाने के अनुभव दे सकते हैं। यह पर्यटकों को ग्रामीण जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव करने और भारत में ग्रामीण क्षेत्रों की सुंदरता का आनंद लेने का मौका दे सकता है।

पाक-कला का अनुभव: बैकयार्ड पोल्ट्री किसान अपने अंडे और मांस को स्थानीय रेस्तरां में बेच सकते हैं, या वे खुद के रेस्तरां खोल सकते हैं। यह पर्यटकों को ताजा , स्थानीय रूप से उत्पादित भोजन का आनंद लेने और भारत की अनूठी पाक परंपराओं का अनुभव करने में मदद कर सकता है।उदाहरण के लिए , पूर्वोत्तर भारतीय व्यंजन संघ (एनआईसीए) ने पूर्वोत्तर भारतीय क्षेत्र के पोल्ट्री उत्पादों की विशेषता वाले कई व्यंजनों को विकसित किया है। इन व्यंजनों का उपयोग क्षेत्र में रेस्तरां द्वारा पर्यटकों की सेवा के लिए किया जाता है।

स्मारिका बिक्री: बैकयार्ड पॉल्ट्री किसान मुर्गीपालन उत्पादों से बनी स्मारिका बेच सकते हैं , जैसे कि अंडे के छिलके , पंख इत्यादि से बनी हुई चीजें । यह पर्यटकों को अपनी यात्रा से एक विशिष्ट स्मारिका घर ले जाने और भारत में स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन देने में मदद कर सकता है।उदाहरण के लिए , हस्तशिल्प और उपहार निर्यात संवर्धन परिषद (एचजीईपीसी) ने मुर्गी पालन उत्पादों का उपयोग करते हुए हस्तशिल्प बनाने के लिए कारीगरों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किए हैं। इन हस्तशिल्पों को स्मारिका के रूप में पर्यटकों को बेचा जाता है।

इस तरह बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग गांवों में गरीबी उन्मूलन और पोषण सुरक्षा के लिए एक सतत और समावेशी दृष्टिकोण है। यह आर्थिक, पोषण और सामाजिक लाभ सहित कई लाभ प्रदान करता है। हालांकि, बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए कई चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है।

वैज्ञानिक समुदाय के लिए सिफारिशें

वैज्ञानिक समुदाय बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कुछ विशेष कदमों को शामिल किया जा सकता है:

1. नई और उन्नत बैकयार्ड पोल्ट्री नस्लों का विकास करना जो बीमारियों के लिए प्रतिरोधी हैं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल हैं।
2. नए और बेहतर बैकयार्ड पोल्ट्री प्रबंधन संस्थानों को विकसित करना जो कुशल और टिकाऊ हैं।
3. बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग के आर्थिक, पोषण और सामाजिक लाभों पर शोध करना।
4. गरीबी उन्मूलन और पोषण सुरक्षा के लिए बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए नीति निर्माताओं और विकास संगठनों के साथ काम करना।
5. वैज्ञानिक समुदाय और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम करने से बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग को विकासशील देशों में ग्रामीण परिवारों के लिए अधिक व्यवहार्य और टिकाऊ विकल्प बनाने में मदद मिल सकती है।